कर्ज तेरा कैसे चुकें | By Jaishankar Chaudhary |

हमारा सर ना उठे
तेरी चौखट पे झुके
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

अगर मेरी चमड़ी के जूते बना दूँ
अंखियाँ निकाल करके राहों में बिछा दूँ
कर्ज नाहीं उतरे, जनम नाहीं सुधरे
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

बड़ा बेशर्म हूँ, लिए जा रहा हूँ
वादा पे वादा किए जा रहा हूँ
बताओ इतना मुझे, ये लेना कैसे रुके
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

तेरा कर्जदार हूँ मैं, चाहे लिखवा ले
मगर सोच कर के देते कर्ज देने वाले
सोचना चाहिए तूने, फिर देना चाहिए मुझे
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

तुम्हें श्याम देने में मजा आ रहा है
मगर लेने वाला दबा जा रहा है
दिया है कितना मुझे, पता केवल है तुझे
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

बेईमान हूँ मैं, कैसे बताऊँ
बनवारी दातारि का फायदा उठाऊँ
ये लेना कैसे रुके, ये देना कैसे रुके
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

नौकर बना लो, तनख्वाह में काट लो
या फिर भिखारी चौखट का मान लो
कर्ज धीरे-धीरे चुकें, मगर ये ऐसे चुकें
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

हमारा सर ना उठे
तेरी चौखट पे झुके
अब इतना बता मेरे श्याम
कर्ज तेरा कैसे चुकें

%e0%a4%b0%e0%a4%be-%e0%a4%95%e0%a5%88%e0%a4%b8%e0%a5%87-
%e0%a4%9a%e0%a5%81%e0%a4%95%e0%a5%87%e0%a4%82-by-jaishankar-chaudhary/